आभार

प्रस्तुत शोध प्रबंध को सम्पूर्णता प्रदान करने में मुझे विभिन्न लोगों का सहयोग, मार्गदर्शन तथा प्रेरणा की प्राप्ति हुई। उनके इस ऋण को चुका पाना आजीवन मेरे लिये संभव नहीं है।

मैं उन समस्त सहयोगियों, शुभचिंतकों के प्रति आभार ज्ञापित करता हूं जिन्होने मुझे प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया है।

मेरा जो कुछ भी है, वह मेरे माता-पिता तथा मेरे गुरू की कृपा एवं उनका अंश है, अतः मैं उनकी वंदना करता हूं। प्रस्तुत शोध कार्य के दौरान मेरे परिजन तथा मित्रों ने मेरे उत्साह एवं धैर्य को बनाये रखने में मुझे जो सहयोग प्रदान किया वह अविस्मणीय है।

इस शोध प्रबंध को प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

ऋषिराज पाण्डेय
शोध छात्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)